

देवी लाल मूल वि. नं. 304/2018

अजीदावा

Recorded by A/V  
Babuvaran 21-11-2018

7.5.2014

पत्रावली पेसा दुकी ककील वडी उपाधिकतवली  
वकील वडी क वडी स्वयं को आ. का. उपाकाज  
लगाई। कि नी. दा. जिर लली। बर वडी अहम  
फैली क अहम दावनी में लखीज लिखा जाला है।  
पत्रावली नखर से काम की जाकर आउ तरीक  
तकनील जाप्या दा. जिर हफतर हो।

भा 7

